

P-1113

Total Pages : 3

Roll No.

DMA-102

ज्योतिषशास्त्र में रोग ज्ञान के आधार

Diploma in Medical Astrology (DMA)

1st Year Examination, 2023 (June)

Time : 2 Hours]

Max. Marks : 100

नोट : यह प्रश्नपत्र सौ (100) अंकों का है जो दो (02) खण्डों क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

(खण्ड-क)

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए छब्बीस (26) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (2×26=52)

1. रोगविचार की परम्परा पर सुविस्तृत प्रकाश डालिए।

2. रोगज्ञान के ज्योतिषीय योगों पर चर्चा प्रस्तुत कीजिए।
3. दशा एवं गोचर के माध्यम से रोगविचार पर विस्तृत से प्रकाश डालिए।
4. अरिष्टयोगों पर चर्चा करते हुए मृत्युकाल निर्धारण की विवेचना कीजिए।
5. दिग्देश एवं काल के सापेक्ष रोगविचार पर चर्चा करते हुए शाकुन से रोगपरिज्ञान पर विस्तृत विमर्श प्रस्तुत कीजिए।

(खण्ड-ख)

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बारह (12) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (4×12=48)

1. जन्माङ्गचक्र से आधार पर रोगज्ञान पर आलेख लिखिए।
2. अरिष्ट योग व प्रकार पर चर्चा प्रस्तुत कीजिए।
3. आयुपरीक्षण पर सूविस्तृत विमर्श प्रस्तुत कीजिए।
4. रोग निर्धारण में स्वप्न व शाकुन की भूमिका पर प्रकाश डालिए।

5. रोग निर्धारण के प्रमुख तत्वों पर संक्षेप में आलेख लिखिए।
 6. रोगों के प्रकार पर चर्चा कीजिए।
 7. सूर्यादि ग्रहों के द्वारा रोग का ज्ञान किस प्रकार सम्भव है? विवेचना कीजिए।
 8. चिकित्सा ज्योतिष की प्रासंगिकता को स्पष्ट कीजिए।
-

